संपादकीय

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलत: दो ध्रूवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दु:स्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है।

विनोद शर्मा, संपादक

बंगाल में निर्ममता की हार

तुष्टिकरण पर प्रहार और विकास की बयार

यह दर्शाता है कि देश का हर कोना अब विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष और बलिदान छिपा हुआ है। पिछले कई वर्षों में, खासकर पिछले विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह की हिंसा और उत्पीड़न का सामना किया, वह अभूतपूर्व था। हजारों कार्यकर्ताओं को बेघर होना पड़ा, कईयों के घरों में आग लगा दी गई, दुकानों को लूट लिया गया, महिलाओं के साथ अत्याचार हुए और कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान तक गंवाई। तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा किए गए इन अत्याचारों के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता डटे रहे। उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि और मजबूती से संघर्ष किया।

प्रेम शुक्ल

पश्चिम बंगाल के जनादेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक, प्रभावी और परिणाम देने वाले नेतृत्व पर अडिग विश्वास रखती है।

यह भरोसा किसी भावनात्मक लहर का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से दिख रहे सुशासन, पारदर्शिता और निरंतर विकास की ठोस बुनियाद पर खड़ा है। यह केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि बंगाल की जनता के भीतर वर्षों से पनप रहे आक्रोश, पीड़ा और बदलाव की आकांक्षा का सशक्त विस्फोट है। इस जनादेश में साफ दिखता है कि जनता ने भय की राजनीति को नकारते हुए भरोसे को अपनाया, तुष्टिकरण को ठुकराकर विकास को चुना और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होकर सुशासन को प्राथमिकता दी। बंगाल में यह जीत वास्तव में जनता की जीत है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में चल रहे टोलाबाजी, सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा और खुले तुष्टिकरण के खिलाफ जनता लंबे समय से सड़कों पर थी। हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, युवा हो, महिला हो या व्यापारी, सबने इस व्यवस्था के खिलाफ मन बना लिया था। पिछले वर्षों में पश्चिम बंगाल में जिस तरह से हिन्दू समाज के साथ भेदभाव हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है। तुष्टिकरण की राजनीति ने सामाजिक संतुलन को बिगाड़ा और अवैध घुसपैठ को

प्रोत्साहन देकर राज्य की पहचान और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए गए। हालात ऐसे बन गए थे कि कई इलाकों में हिन्दू समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया गया। चुनाव के समय उन्हें वोट डालने तक से रोका गया, डराया-धमकाया गया। यह लोकतंत्र का अपमान था, लेकिन इस बार जनता ने इन सबका जवाब दिया है। ममता बनर्जी की हताशा चुनाव से पहले ही दिखने लगी थी। एक भ्रष्ट निजी कंपनी को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना, मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की उपस्थिति का विरोध करना, ये सभी कदम इस बात के संकेत थे कि उन्हें अपनी हार का अंदाजा हो चुका था। लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और जनता ने अपना फैसला स्पष्ट रूप से सुना दिया। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास रखती है। पिछले 12 वर्षों में केंद्र में भाजपा की सरकार ने जिस तरह से विकास और सुशासन का मॉडल प्रस्तुत किया है, उसका असर हर राज्य में दिख रहा है। जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां न केवल विकास हुआ है बल्कि जनता ने बार-बार उस पर मुहर लगाई है। असम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना और वह भी पहले से अधिक, लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ, यह बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य सरकारों ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं। असम में बुनियादी ढांचे से लेकर कानून-व्यवस्था तक हर क्षेत्र में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम जनता के विश्वास के रूप में सामने आया है। इन विधानसभा चुनावों में विपक्ष पूरी तरह से बिखरा हुआ नजर आया। राहुल गांधी एक बार फिर इस चुनाव में असफल नेता के रूप में सामने आए हैं। वह न तो इंडी गठबंधन को एकजुट रख पाए और न ही जनता के बीच कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर पाए। चुनाव परिणामों के समय उनका विदेश में होना यह दर्शाता है कि वह इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इंडी गठबंधन अब केवल नाम का गठबंधन रह गया है, जिसका भविष्य अंधकारमय दिखता है। तमिलनाडु में वर्षों से जो लोग सनातन संस्कृति का अपमान करते आए, जिन्होंने हिन्दू आस्थाओं को निशाना बनाया, दीपम जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधाएं डालीं और धर्म-भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की। जनता ने उन्हें भी करारा जवाब दिया है। सनातन संस्कृति की तुलना डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से करने वाली मानसिकता को जनता ने नकार दिया है। यह बदलाव धीरे-धीरे ही सही, लेकिन स्थायी रूप से उभर रहा है। पुडुचेरी में भी भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। भले ही यह प्रतिशत में कम दिखे, लेकिन यह संकेत स्पष्ट है कि दक्षिण भारत में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी वैचारिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। केरल में भी भाजपा का आधार लगातार मजबूत हो रहा है।

अंतरिक्ष में चीनी-अमेरिकी संघर्ष के बीच भारत

अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर होड़ में दोनों की महत्वाकांक्षाएं हैं। वहीं भारत की भी मानव अंतरिक्ष उड़ानें लॉन्च करने व चंद्रयान मिशन जैसी योजनाएं हैं। आर्टेमिस-टू की सफलता इसमें मददगार होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियों के बीच अंतरिक्ष में युद्ध छिड़ा, तो भारत के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बीते बुधवार को कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी सांसदों को बताया गया, कि चीन, अमेरिका के लिए 'अंतरिक्ष में सबसे बड़ा खतरा और प्रतिस्पर्धी' है, जो अपनी खगोलीय क्षमताओं का इस्तेमाल 'कूटनीति और सामरिक प्रभाव के एक हथियार के तौर पर' कर रहा है; यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब चांद पर पहुंचने की इन दोनों देशों की होड़, और तेज़ हो गई है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर चल रही होड़ में दोनों देशों का लक्ष्य आने वाले सालों में चांद पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। जहां चीन ने अपनी पहली मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग के लिए 2030 का लक्ष्य रखा है, वहीं अमेरिका के आर्टेमिस कार्यक्रम का लक्ष्य 2028 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की सतह पर वापस लाना, और 2030 तक वहां एक अंतरिक्ष सैन्य अड्डा बनाना शुरू करना है; इससे इन दोनों महाशक्तियों के बीच कड़ी टक्कर शुरू हो गई है। 'सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़' में एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिगेन के हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन यूरोप की एक सुनवाई में दी जानकारी के मुताबिक, 'जैसे-जैसे देश मानकों के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक के साथ जुड़ेंगे, तो जीतने वाला देश न सिर्फ़ तकनीक देगा, बल्कि वह उन शर्तों को भी तय करेगा, जिनके आधार पर सूचनाओं का आदान-प्रदान होगा। नेटवर्क आपस में काम करेंगे, लेकिन दुनिया को किस नज़र से देखा जाएगा?' सुनवाई के दौरान फ्लोरिडा के रिपब्लिकन कांग्रेसी रैंडी फाइन के अनुसार, 'जब अंतरिक्ष की बात आती है, तो वह 'चीन को लेकर बहुत चिंतित हैं, जैसा कि मुझे पता है कि और भी कई लोग हैं। मुझे लगता है कि चीन खुद को हमारे साथ युद्ध की स्थिति में देखता है। यह भी कि हम अक्सर इसे उसी नज़र से नहीं देखते।' दरअसल पिछले एक साल में अंतरिक्ष दौड़ में कई अहम घटनाक्रम देखने को मिले हैं; अमेरिका ने अपने आर्टेमिस कार्यक्रम का दूसरा सफल मिशन पूरा किया, वहीं चीन ने अपने 2030 के मून मिशन की तैयारी में कई अहम प्रगति की। अमेरिका ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसने इंसानों को सफलतापूर्वक चांद पर पहुंचाया है। दूसरी तरफ़ चीन, भारत और पूर्व सोवियत संघ सहित अन्य देशों ने चांद की सतह पर रोबोटिक मिशन उतारने में कामयाबी हासिल की। गत बुधवार को हुई इस सुनवाई का शीर्षक था, 'ऑर्बिट्स ऑफ़ इम्प्लुएंस ⁼ यूएस स्पेस सिक्योरिटी'। यह सुनवाई उसी दिन हुई, जिस दिन ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आर्टेमिस-टू के अंतरिक्ष यात्रियों की मेज़बानी की थी। इस कार्यक्रम में नासा मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। सुनवाई के दौरान, एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिगेन का चीन पर आरोप था कि वह ग्लोबल साउथ में अपनी साझेदारियों का विस्तार करके अंतरिक्ष का इस्तेमाल अन्य देशों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए कर रहा है। जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्पेस पॉलिसी इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर स्कॉट पेस के मुताबिक, चीन अपनी महत्वाकांक्षाओं को मशहूर 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के ज़रिए आगे बढ़ा रहा है, जिसमें पार्टनर देशों को जोड़ने वाला एक बढ़ता हुआ स्पेस कंपोनेंट भी शामिल है। कैरी बिगेन के खुलासे के मुताबिक, चीन ने 'ग्लोबल साउथ' कहे जाने वाले लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों के साथ समझौते किए हैं। बिगेन के मुताबिक, 'वे स्पेस ग्राउंड एंटीना, ग्राउंड स्टेशन कमांड और कंट्रोल साइट लगा रहे हैं। यह बुनियादी टेक्नोलॉजी है जो उन ग्राउंड स्टेशनों और एंटीना को सरकारी सिस्टम या किसी कमर्शियल सिस्टम के साथ बातचीत करने में मदद करता है।' अमेरिकी एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिगेन के मुताबिक, 'चीन, जहां एक तरफ अपना कमर्शियल स्पेस सेक्टर बना रहा है, वहीं उसका यह प्रोग्राम काफी हद तक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और सरकार द्वारा ही चलाया जा रहा है। इस सुनवाई में शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच हुई स्पेस रेस का भी ज़िक्र हुआ, जब रूस, 'सोवियत संघ' के नाम से जाना जाता था।' 20वीं सदी का ज़्यादातर हिस्सा मुकाबले में गुज़र गया, लेकिन हाल के सालों में हालात बदल गए हैं। इस बारे में बिगेन के विचार हैं कि जहां रूस अभी भी एक खतरा बना हुआ है, वहीं चीन एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरा है।

शिविर में समाज के बच्चे सीख रहे हैं धर्म की शिक्षा देव दर्शन का ज्ञान

आज बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ धर्म की शिक्षा एवं संस्कारों से भी संस्कारित करने की आवश्यकता है: पंडित अमन शास्त्री

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

आज हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ धर्म, संस्कार के साथ हमारी संस्कृति से भी हमें उन्हे संस्कारीत करना होगा। आज के इस आधुनिक युग में कहीं ना कही हमारे बच्चे भटक रहे है,उन्हें देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पित करते हुए धर्म की शिक्षा का अध्ययन भी करवाना होगा। पहले विकल्प सहित पक्का निर्णय कर के राग से, निमित्त से, खण्ड-खण्ड ज्ञान से या गुण-गुणी के भेद से आत्मा का ज्ञान नहीं होता । पहले ऐसे निर्णय का पक्का स्तम्भ तो रोपे इससे वीर्य का पर-सन्मुख प्रवाह रुक जाएगा, यह उदगार बलजीनाथ को संस्कार के चल रहे शिविर को संबोधित करते हुए पंडित अमन जी शास्त्री ने व्यक्त किये। पंडित जी ने कहा कि भले अभी स्व-सन्मुख होना बाकी है । सविकल्प निर्णय में भी मैं विकल्परूप नहीं हूँ - ऐसा दृढ़ निर्णय तो करे । निर्णय पक्का होने पर राग लंगड़ा हो जाएगा, राग का जोर टूट जाता है ।

सविकल्प निर्णय में स्थूल विपरीतता और स्थूल कर्तव्य छूट जाता है और स्वानुभव होने पर सम्यक निर्णय हो जाता है। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया की प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मुमुक्ष मंडल एवं महिला मंडल के तत्वाधान में 20वां जैनत्व बाल संस्कार शिक्षण शिविर सराभा जैन धर्मशाला मैं चल रहा है जिसमें समाज के बच्चे धर्म की शिक्षा के अध्ययन के साथ देव दर्शन अभिषेक एवं पूजा पद्धति को सीख रहे हैं साथी दोपहर में विश्व शांति हेतु मंडल विधान की पूजा का भी आयोजन चल रहा है 7 मई को शिविर का समापन होगा। सुनील जैन, प्रेमांशु जैन ने बताया कि शिविर के पांचवें दिन दैनिक कार्यक्रम के अनुसार सुबह 6ः30 बजे से 7 के बीच बच्चों की प्रभात फेरी 7 से 8ः30 तक श्री जी का पक्षालन एवं पूजन 8ः30 से 9ः00 बजे तक सत्पुरुष श्री कानजी स्वामी का कद प्रवचन 9ः00 बजे से 10ः00 बजे तक पंडित अमन जी शास्त्री का प्रवचन एवं दोपहर में 2ः00 बजे से 4ः30 बजे तक मंडल विधान की पूजा 7ः15 से 8ः00 बजे तक भक्ति एवं आरती एवं रात्रि 8ः00 बजे से 9ः00 बजे तक पंडित अमन जी शास्त्री का प्रवचन 9ः00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

आज हाइवे पर किया जाएगा चक्काजाम, किसान के मुद्दों पर कांग्रेस का सरकार पर हमला

खंडवा से खलघाट जाएंगे किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

मध्यप्रदेश में किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने 7 मई गुरुवार को मुम्बई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग खलघाट में प्रस्तावित चक्का जाम आंदोलन से पहले राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि प्रदेश में उपज केंद्रों की अव्यवस्था, भुगतान में देरी और समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि खलघाट में आज होने वाले आंदोलन को लेकर जिला कांग्रेस प्रभारी एवं हरदा विधायक रामकिशोर दोगने ने बुधवार को दोपहर 12.30 बजे गांधी भवन में प्रेस वार्ता को संबोधित किया इस

अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह,प्रतिभा रघुवंशी, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सोनु गुर्जर उपस्थित थे। जिला कांग्रेस प्रभारी एवं हरदा विधायक डॉ रामकिशोर दोगने ने मीडिया को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उपज केंद्रों पर टोकन सिस्टम पूरी तरह से विफल है, जिसके चलते किसानों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। खुले में रखी फसल खराब होने का खतरा बना रहता है। पार्टी ने इसे ÷उपज केंद्र नहीं, शोषण केंद्र÷ करार दिया है। श्री दोगने ने जेल से रिहा हुए किसान का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्होंने कहा की सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही जब किसान अपनी मांग लेकर कलेक्टर जनसुनवाई में जाता है तो उसको गुंडा करार दिया जाकर जेल में डालने का कार्य किया जाता है वो तो धन्य हमारे दोनों जिलाध्यक्ष की तत्परता से किसान की रिहाई हो गई। श्री दोगने ने दोनों अध्यक्षों का धन्यवाद प्रेषित करते हुए आभार व्यक्त किया। श्री दोगने ने स्पष्ट करा की जनसुनवाई में किसान के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा।

एमएसपी और भुगतान पर सवाल

कांग्रेस का दावा है कि सरकार द्वारा घोषित एमएसपी और वास्तविक भुगतान में अंतर है। 2700 रुपये प्रति क्विंटल के वादे के बावजूद खरीद कम दरों पर शुरू होने का आरोप लगाया गया है।

समूह की महिलाओं को प्याज, टमाटर व अरबी की प्रोसेसिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

जिले में आजीविका मिशन एवं उद्यानिकी विभाग के समन्वय से इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर योजना के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को प्याज, टमाटर एवं अरबी की प्रोसेसिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सीवी रमन यूनिवर्सिटी के सहयोग से एनक्यूबेशन सेंटर में आयोजित किया गया है। अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने बताया कि बुधवार को प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा कर समूह की महिलाओं को मार्गदर्शन देकर आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ÷एक जिला एक उत्पाद योजना

के तहत प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग के इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को नवीन आजीविका गतिविधि से जोड़ा जा रहा है, ताकि ये महिलाएं अधिक आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें।

सीईओ डॉ. गौड़ा ने दूरस्थ ग्रामों का दौरा कर विकास कार्य देखे

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बुधवार को खालवा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सालीढाना, रोशनी, मुहालखारी, भोजूढाना का दौरा कर वहां संचालित ग्रामीण विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जल संचय जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत रोशनी नदी के पुनर्जीवन के लिए कराये जा रहे कार्य का निरीक्षण भी किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए कराए जा रहे सभी कार्यो को गुणवत्ता के साथ वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद खालवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक भी उपस्थित थे।

एक ही जिले में पुलिस प्रशासन के चार पदो पर रहकर शांति व्यवस्था बनाने में सहयोग देने वाले श्री राय का हुआ स्वागत अभिनंदन

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

खंडवा को शांति का टापू बनने वाले डीआईजी मनोज राय का स्थानांतरण प्रदेश की राजधानी भोपाल हुआ हें। मनोज राय नगर पुलिस अधीक्षक के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिले के पुलिस अधीक्षक के पद पर भी रहे, साथ ही उनकी कार्य क्षमता को देखते हुए शासन द्वारा प्रमोशन कर डीआईजी बनाया गया। खंडवा रहते हुए राय ने जिले में शांति व्यवस्था को कायम रखा, हत्या एवं बड़ी चोरी डकैतीयो में मुजरिमों को पकड़ने में सफलता अर्जित की। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पूर्व निमाड सामाजिक सांस्कृतिक सेवा समिति के आशीष

चटकेले, रामचंद्र मौर्य,भूपेंद्र सिंह चौहान, सुनील जैन, मंगलेश शर्मा,रितेश चौहान, संजय दुबे ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक बंगले पर पहुंचकर मनोज राय का स्वागत अभिनंदन कर कृष्ण प्रिया जी की आयोजित कथा में उपस्थित होने हेतु आमंत्रण दिया। इस अवसर पर राय ने कहा कि आप सभी एवं जिले वासियों के सहयोग से खंडवा में शांति व्यवस्था बनी रही। दादाजी के आशीर्वाद से सभी के सहयोग से दादाजी धाम पर भव्य मंदिर निर्माण को भी गति मिली है।

स्वामी, भाग्यमीडिया पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक राजेश शर्मा द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस काम्पलेक्स जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर, जी-11 प्रथम तल गोयल निकेत जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित, पिन-462011, संपादक : विनोद शर्मा, फोन नं. 0755-4512708, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार सभी मामलों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा । RNI No. MPHIN/2016/68059